हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शनिवार, 27 अप्रैल 2024

12 सड़क के बंद कट खोलने की मांग, पहुंचे डीसी दरबार

11 लोकसभा आम चुनावः ईवीएम व वीवीपीएटी की हैंड ऑन ट्रेनिंग करवाई

नारनौल की नई मंडी में सरसों खरीद का शेड्यूल किया जारी

नारनौल। नई अनाज मंडी में सरसों की अधिक आवक होने के कारण गांव के रोस्टर में संशोधन किया गया है। किसान अब इस रोस्टर के अनुसार ही मंडी में अपनी फसल बेचने के लिए आए। प्रशासक मार्केट कमेटी डा. जितेंद्र सिंह ने बताया कि 27 अप्रैल को नई अनाज मंडी में मित्रपुरा, मोहम्मदपुर हमीदखान, मुकुंदपुरा, मुरारीपुर, नांगलकाठा, नारनौल, नूनीकलां व नूनी अव्वल गांव के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी। उन्होंने बताया कि 28 अप्रैल को रविवार का अवकाश होने के कारण कोई नए गेट पास जारी नहीं किए जाएंगे। इसके बाद 29 अप्रैल को पटीकरा, रघुनाथपुरा, रामबास, रामपुरा, रसूलपुर, सलूनी, शहरपुर व सेका गांव के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी। वही 30 अप्रैल को शाहपुर, शाहपुर-1, शोभापुर, सिहमा, टहला, ताजीपुर, ताजपुर व थाना गांव के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसान गेटपास कटवाने के लिए अपने साथ आधार कार्ड अवश्य लाएं। बिना रोस्टर के किसी भी किसान की सरसों खरीद नहीं की जाएगी।

भिवानी व दादरी में हुड्डा खेमे व महेंद्रगढ़ में अहीर वोट से कांग्रेस की जीत की रणनीति

अब बंसीलाल परिवार नहीं, बल्कि कांग्रेस के हुड्डा गुट से धर्मबीर की टक्कर, राव दानसिंह को टिकट मिलने से एसआरके से भीतरघात का भी डर, बेटी की टिकट कटने के बाद किरण आज समर्थकों के साथ करेंगी बैठक

सतीश सैनी ▶▶| नारनौल

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से प्रमुख राजनीति पार्टी कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार राव दानसिंह को घोषित कर दिया है। इस घोषणा के बाद अब चुनावी सरगर्मियां बढ़ेगी। राजनीति विशेषज्ञों के अनुसार कांग्रेस की रणनीति है कि भिवानी व दादरी में हुड्डा खेमा सक्रियता दिखाए। कारण, यहां जाट वोट अधिक है। फिर महेंद्रगढ़ जिला बचता है, यह जिला अहीर बाहुल्य है। राव दानसिंह इसी समाज से आते है। ऐसे में टिकट वितरण के पीछे यहीं सोच रही है कि अपने गृह क्षेत्र महेंद्रगढ़ जिला से राव दानसिंह लीड लेकर आए तो भिवानी व दादरी में हुड्डा खेमा जाट समुदाय के वोट उनके पक्ष में डलवा देंगे तो बात बन जाएगी। इससे पहले कांग्रेस उम्मीदवार के सामने पहले यह चुनौती रहेगी कि वह किसी तरह किरण चौधरी व उनके समर्थकों को अपने पक्ष में करें। ऐसा करने में कामयाब होते है तो मुकाबला अच्छा होगा और अगर किरण चौधरी गुट उम्मीदवार के पक्ष में नहीं आता है तो इसका नुकसान कांग्रेस को उठाना पड़ेगा। हालांकि किरण चौधरी ने भी शनिवार को भिवानी में अपने कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाई है

2009 से 2019 तक का सियासी समीकरण

2009 में श्रुति चौधरी 302817 वोट लेकर कांग्रेस की सांसद बनी थी। इनेलो के अजय चौटाला 247240 वोट लेकर दूसरे नंबर पर रहे थे। 2014 में भाजपा के धर्मबीर 404542 वोट लेकर जीते थे। इनेलो के राव बहादुर 275148 वोट व कांग्रेस से श्रुति चौधरी 268115 वोट मिले थे। 2019 में धर्मबीर ने 736699 वोट लेकर जीते। इस चुनाव में दूसरे स्थान पर रही कांग्रेस उम्मीदवार श्रुति चौधरी को महज 292236 वोट ही मिल थे।

अभी हाल ही में कांग्रेस की हरियाणा में लोकसभा सीट उम्मीदवारों की सूची सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। हालांकि वह बाद में फेक साबित हुई। उसी घटनाक्रम के बाद पूर्व सांसद श्रुति चौधरी ने ट्वीट कर कम्प्यूटर के की-बोर्ड का हवाला देकर लिखा था कि 'आपके कीबोर्ड में एस और एफ के बीच में है वो। जिसकी इस लोकसभा चुनाव में भिवानी-महेंद्रगढ़ से हार होने वाली है।' वह बात अलग है कि इस ट्वीट को करीब 20 मिनट बाद हटा दिया गया। मतलब कीबोर्ड में एस और एफ के बीच डी यानि दानसिंह या डी

■ श्रुति का टिकट कटवाकर हुड्डा ने एसआरके नेता किरण को दिया बड़ा झटका

मतलब धर्मवीर नाम माना जा रहा है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि श्रुति चौधरी को टिकट कटने का आभास हो गया था और डी का मतलब दानसिंह रहा।

लोकसभा सीट की स्थिति

भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 2002 में गठित भारत के परिसीमन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में 2008 में अस्तित्व में आया। इस लोकसभा क्षेत्र में भिवानी, दादरी व महेंद्रगढ़ जिला की कुल नौ विधानसभा आती है। इस समय भिवानी जिले में लोहारू से विधायक जयप्रकाश दलाल बीजेपी, भिवानी से विधायक घनश्याा सर्राफ बीजेपी व तोशाम से विधायक किरण चौधरी कांग्रेस से है। दादरी जिला में दो विधानसभा है। जहां दादरी से विधायक सोमवीर सांगवान निर्दलीय व बारढ़ा से विधायक नैना सिंह चौटाला जेजेपी से है। महेंद्रगढ़ जिला में पांच विधानसभा है। इनमें नांगल चौधरी से विधायक डा. अभयसिंह यादव, नारनौल से विधायक ओमप्रकाश यादव व अटेली से विधायक सीताराम यादव भाजपा से है। महेंद्रगढ़ विधानसभा से राव दानसिंह कांग्रेस विधायक है।

राव दानसिंह का परिचय

राव दानसिंह का जन्म 1959 में भिवानी जिला के गांव पहलाद गढ़ में हुआ। वह एमए, एलएलबी, एमबीए की डिग्री के अलावा कानून एवं व्यक्तिगत प्रबंधन में डिप्लोमा किया हुआ है। वह जयपुर में एलबीएस कॉलेज के अध्यक्ष रहे है। साल 2000, 2005, 2009 व 2019 में महेंद्रगढ़ विधानसभा से विधायक बने। उनके बेटे अक्षत सिंह राव का विवाह भाजपा नेता राव नरबीर सिंह की बेटी से हुआ है।

खबर संक्षेप

आईटीआई में जॉब मेला 30 अप्रैल को

नारनौल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 30 अप्रैल को जॉब मेले का आयोजन किया जाएगा। प्रधानाचार्य विनोद खनगवाल ने बताया कि मेले में सभी आईटीआई पास छात्र भाग ले सकते है। जिसमें विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधि आईटीआई पास छात्रों का चयन करेंगे। आईटीआई के शिक्षुता व प्लेसमेंट अधिकारी सुदर्शन कुमार ने बताया कि मेले में भाग लेने वाले सभी छात्र दस्तावेजों के साथ सुबह 9 बजे तक आईटीआई में पहुंचे।

आज होने वाली अटेली मंडी की रैली स्थगित

मंडी अटेली। मुख्यमंत्री नायब सैनी की 27 अप्रैल को अनाज मंडी अटेली में होने वाली प्रस्तावित विजय संकल्प रैली स्थगित कर दी गई है। विधायक सीताराम यादव ने बताया कि फसल कटाई सीजन को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अब यह रैली मई माह के प्रथम सप्ताह में की जाएगी।

युवती आभूषण, फोन व नकदी लेकर लापता

कनीना। सदर थाना के गांव से 21 वर्षीय आठवीं कक्षा पास युवती रात्रि के समय लापता हो गई। परिजनों ने जब 24 अप्रैल को उन्होंने सुबह उठकर देखा तो उसकी पुत्री घर पर नहीं थी। जांच करने पर घर से आभूषण, मोबाइल व 30 हजार रुपये भी गायब मिले।

आज कांग्रेस के चुनावी कार्यालय का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोस से विधायक राव दानसिंह को टिकट मिलने के बाद वह पहली बार क्षेत्र में आएंगे। विधायक राव दान सिंह शनिवार को सुबह 11:00 बजे गांव भड़फ के बस स्टॉप पर लोगों द्वारा उनका स्वागत किया जाएगा। विभिन्न गांवो में उनका स्वागत किया जाएगा। उसके बाद वह बाबा जयराम दास धाम पाली में बाबा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लेंगे। इसके बाद आदर्श रामलीला ग्राउंड में शाम चार बजे चुनावी कार्यालय का शुभारंभ कर कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे।

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर में बदला मौसम

अटेली में ओले, महेंद्रगढ़ में दिन सबसे गर्म, नारनौल की ठंडी रात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से एक बार फिर से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव और तापमान में उतार चढ़ाव देखने को मिला। अटेली, कनीना, ककराला, कपूरी, निमोठ, इसराना व कोसली के आसपास ओलावृष्टि की गतिविधियों को दर्ज किया गया है। शाम करीब पांच बजे जब अचानक मौसम बदला तो हलकी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। करीब दो मिनट तक ओलावृष्टि भी हुई। इससे अटेली की अनाज मंडी में लिफ्टिंग न होने के कारण वहां पर रखी किसानों की सरसों भीग गई।

मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्र मोहन ने बताया कि अप्रैल महीने की शुरुआत से लगातार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहें हैं जिसकी वजह से सम्पूर्ण इलाके बार बार मौसम परिवर्तन शील बना हुआ है। क्योंकि जब पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होते हैं तो बार बार बादल वाही और हल्की बारिश बूंदा-बांदी और तेज गति से हवाएं चलने और सीमित स्थानों पर ओलावृष्टि की गतिविधियां हो रही है। बार बार हवाओं की दिशा और गति में बदलाव से सम्पूर्ण इलाके में लगातार तापमान में उतार चढ़ाव

मंडी अटेली। अनाज मंडी में हल्की बारिश होने से भीगी सरसों। फोटो: हरिभूमि।

भी हों रहें हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को ताजा पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने का असर शुक्रवार को साफ तौर पर दिखाई दिया। सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर आंशिक बादल वाही और अनेक स्थानों पर शाम के समय हल्की बारिश बूंदा-बांदी और कुछ स्थानों पर तेज गति से हवाएं चलने और गरज चमक के साथ ओलावृष्टि की गतिविधियों को दर्ज किया गया है।

यहां-यहां बदला मौसम

सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, जींद, रोहतक, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम व आसपास और एनसीआर दिल्ली में बिखराव वाली हल्की से मध्यम बारिश बूंदा-बांदी की गतिविधियां रही। साथ ही साथ जिला महेंद्रगढ़ में अटेली, कनीना, ककराला, कपूरी, निमोठ, इसराना, कोसली के आसपास साथ ही साथ हिसार में हांसी, बीर हिसार के आसपास बरवाला के साथ ओलाव व जुलाणा के लजवाणा कलां रेवाड़ी के साथ कांटवाली सिधरावली के आसपास, पानीपत के पास कावी और मडलोडा में ओलावृष्टि की गतिविधियों को दर्ज किया गया है। इस मौसम प्रणाली का असर से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में शुक्रवार को रात्रि में भी हल्की से मध्यम बारिश बूंदा-बांदी और ओलावृष्टि की गतिविधियां देखने को मिलेगी। साथ ही साथ सम्पूर्ण इलाके में शनिवार को भी तेज गति से हवाएं चलने आंशिक बादल वाही और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश बूंदा-बांदी और एक दो स्थानों पर ओलावृष्टि की गतिविधियों को दर्ज किया जाएगा। इसलिए भारतीय मौसम विभाग ने सम्पूर्ण इलाके पर 27 अप्रैल के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। हालांकि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में धीरे-धीरे दिन और रात का पारा चढ़ने लगा है और धीरे-धीरे गर्मी भी परवान चढ़ने लगी है।

42.5 डिग्री तक पहुंचा तापमान

शुक्रवार हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर तापमान 37.0 डिग्री सेल्सियस से 42.5 इस साल का अभी तक का सबसे ज्यादा उछाल देखने को मिला है। जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल और महेंद्रगढ़ का दिन का तापमान क्रमश 41.0 डिग्री सेल्सियस और 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जबकि जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल और महेंद्रगढ़ के रात्रि तापमान क्रमश 25.0 डिग्री सेल्सियस और 20.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सम्पूर्ण हरियाणा एनसीआर दिल्ली में महेंद्रगढ़ का दिन सबसे गर्म 42.5 डिग्री सेल्सियस जबकि जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल की रात सबसे ज्यादा गर्म 25.0 डिग्री सेल्सियस बनी हुई है।

लोस आम चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 29 अप्रैल से 6 मई तक चलेगी

■ डीसी ने नामांकन के लिए अधिकारियों की तय की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

लोकसभा आम चुनाव के लिए राज्य में नामांकन प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू होकर 6 मई तक चलेगी। नामांकन प्रक्रिया को लेकर भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने शुक्रवार को लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली तथा जिम्मेदारी तय की। डीसी ने बताया कि इस बार उम्मीदवारों की सुविधा के लिए चुनाव आयोग ने ऑनलाइन नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए कैंडिडेट नॉमिनेशन एप्लीकेशन नामक एप बनाया है।

कोई भी उम्मीदवार इस एप का उपयोग करके अपना आवेदन ऑनलाइन दाखिल कर सकता है और ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से सिक्योरिटी राशि जमा करा सकता है। आवेदन जमा होने के बाद उम्मीदवार सुविधा उम्मीदवार एप का उपयोग करके अपने आवेदन की प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन अधिकारियों के लिए आयोग ने एनकोर नामक सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जिसमें उम्मीदवारों का आवश्यक डेटा होता है। आम नागरिक भी नो यूअर कैंडिडेट एप्लीकेशन पर उम्मीदवार की सारी जानकारी देख सकता है। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार की चल-अचल संपत्ति और शपथ-पत्रों का विवरण ऑनलाइन देखने के लिए आयोग की ओर से एफीडेविट डॉट ईसीआई डॉट जीओवी डॉट इन वेब पोर्टल बनाया गया है।

नामांकन में सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 25 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति के उम्मीदवार को 12500 रुपये जमानत राशि जमा करानी होगी। यह राशि आरओ के समक्ष नकद या आरबीआई व ट्रेजरी में जमा की जानी चाहिए। चेक या बैंक ड्राफ्ट द्वारा कोई जमा स्वीकार्य नहीं है। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा, एसडीएम नांगल चौधरी मयंक भारद्वाज, नगराधीश मंजीत कुमार, तहसीलदार निशा, चुनाव तहसीलदार सुरेंद्र सिंह के इत्यादि अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल बस हादसाः आरोपितों को कोर्ट ने 10 मई तक न्यायिक हिरासत में भेजा

कनीना। उन्हाणी के समीप 11 अरपैल को हुए सड़क हादसे में मारे गए छह मासूम विद्यार्थियों की घटना के बाद पुलिस की ओर से जेल भेजे जा चुके आरोपितों की शुक्रवार को वीसी के जरिए कोर्ट में पेशी हुई। पेशी के दौरान कोर्ट ने उनकी दलीलें सुनकर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उनकी आगामी पेशी 10 मई को होगी। पुलिस के अनुसंधान अधिकारी अमरदीप ने बताया कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े चेयरमैन राजेंद्र सिंह, प्राचार्य दीप्ति राव, शिक्षा समिति के चेयरमैन होशियार सिंह के अलावा बस चालक धर्मेंद्र वासी सेहलंग, उसके साथ बस में शराब पीने वाले हरीश, भूदेव, संदीप व नरेश कुमार सहित आठ आरोपित काबू किए जा चुके हैं। विद्यालय के एमडी सुभाष लोढा पुलिस पकड़ से बाहर हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

एसपी ने कंपनियों को खुद फोन कर जांची व्यवस्था

नारनौल। एसपी अर्श वर्मा ने लघु सचिवालय स्थित कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले कंट्रोल रूम में लगवाए गए सभी फोन कंपनियों के सिस्टम पर कॉल कर उनका परीक्षण किया व सभी थानों व पीसीआर, राइडर को मैसेज भेजने वाले सेट का भी परीक्षण किया। कार्यरत कर्मियों से पूछताछ की तथा जरुरी दिशानिर्देश दिए। एसपी ने बताया कि लोकसभा चुनाव से पूर्व जिला पुलिस की तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। जिले में चेकिंग अभियान के साथ गश्त के दौरान सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस का प्रयास है कि पुलिस रात को ज्यादा सक्रिय होकर लोगों को सुरक्षा प्रदान करे। इसके लिए पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति के साथ चेकिंग व गश्त पर जोर दिया जा रहा है।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, डीएसपी ने किया नेतृत्व

महेंद्रगढ़। डीएसपी मोहम्मद जमाल के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा चुनाव को लेकर शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान लोगों से भयमुक्त मतदान करने की अपील की। डीएसपी ने असामाजिक तत्वों की गतिविधियां होने, अफवाह फैलाने व डराने धमकाने की कोशिश करने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने का आह्वान किया। पुलिस वाहनों की जांच करने के साथ संदिग्ध लोगों पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव करवाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एसडीजेएम मेनका की सीजेएम पद पर पदोन्नति

कनीना। सिविल कोर्ट की एसडीजेएम मेनका सिंह की सीजेएम पद पर पदोन्नति होने व रेवाड़ी बदली होने पर बार एसोसिएशन की ओर से विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अधिवक्ताओं ने स्मृति चिह्न प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। वकीलों ने सीजेएम मेनका सिंह की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने कानून के दायरे में रहते हुए केसों का निपटारा किया। वहीं दूसरी ओर अधिवक्ताओं ने हांसी से बदली होकर आए एसडीजेएम संजीव काजला व सोनीपत से बदली होकर जेएमआईसी प्रवीन कुमार का अभिनंदन किया। इस मौके पर बार एसोसिएशन के प्रधान सुनील यादव रामबास, अधिवक्ता ओपी यादव, दीपक चौधरी, केसी गुप्ता, गिरवर कौशिक, रमेश कौशिक, कुलदीप यादव, सुनील कुमार, संदीप सिंह, बबीता चौहान, मीनाक्षी, खुशबू बंसल, ममता तंवर मौजूद रहे।

जैलाफ के सूखे जोहड़ को भरवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव जैलाफ के पशुपालकों ने जोहड़ को नहरी पानी से भरने की मांग है। इस मांग को लेकर गांव के पशुपालकों के हस्ताक्षर युक्त पत्र शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने नहर विभाग के एसडीओ को सौंपा। ज्ञापन में पशुपालकों ने कहा कि ग्रामीणों की आजिविका में दुग्ध वाले पशु सहित पशुओं का योगदान बेहद प्रमुख है। पशुपालकों का जीवन-यापन दुग्ध वाले पशुओं पर ही निर्भर है। इलाके में पड़ रही भीषण गर्मी पड़ रही है। नहर आने के बावजूद जोहड़ सूखे पड़े हैं। पशुपालकों को इस भीषण गर्मी में जोहड़ में पानी नहीं होने के कारण परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि पशु-पक्षियों व दुग्ध वाले पशुओं के जीवन के लिए जोहड़ में पानी होना निहायत जरूरी है। ग्रामीण छितरमल नंबरदार, पूर्व सरपंच रतीराम, कुलदीप पंच, पंच त्रिलोक चंद, पंच मुकेश कुमार, पूर्व पंच रामसिंह, बंशीलाल, पूर्व पंच विक्रम इत्यादि मौजूद रहे।

सतनाली खंड को अटल भूजल योजना में करें शामिल

सतनाली मंडी। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय सतनाली में जिला परिषद सदस्य महंत वचनाई नाथ की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र में गिरते भू-जल स्तर को लेकर चर्चा कर एक कमेटी का भी गठन किया। क्षेत्र को नहरी पानी व अटल भूजल योजना में शामिल करने की मांग उठाने के लिए जल्द जन जागृति यात्रा एवं प्रदर्शन करने का निर्णय लिया।

फसलों को गर्मी से बचाने की एडवाइजरी जारी

नारनौल। अप्रैल व मई में बोई जाने वाली फसलें कपास, चारे की फसल, ग्रीष्म मूंग की शाम को हल्की सिंचाई करने व 10 मई तक कपास की बिजलाई पूर्ण करने की सलाह दी। उप कृषि निदेशक डा. देवेंद्र सिंह ने कहा कि गर्म मौसम की वजह से बीज के जमाव में होने वाले नुकसान से बचने के लिए बीज की दर 25 प्रतिशत बढ़ा दें। खरीफ 2024 में बोई जाने वाली फसलें जैसे बाजरा व ग्वार की बिजाई मानसून आने पर ही करें। कपास की बिजाई से पहले गांवों में तथा खेत के आसपास रखी हुई पुरानी कपास की बनछटियां लकड़ियों को झाड़ कर खराब टिंडो व अध खिले टिंडों को एकत्रित करके नष्ट करे दें, ताकि आने वाली कपास की फसल में गलाबी सुंडी के प्रकोप को कम से कम किया जा सकें।

इनकम टैक्स में क्लर्क लगवाने के नाम पर 12 लाख की ठगी

साथ करते थे तैयारी, ज्वाइनिंग लेटर भी दिखाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

जिले के गांव खातोद निवासी एक किसान से बेटे को इनकम टैक्स विभाग में क्लर्क लगवाने के नाम पर 12 लाख रुपये ठग लिए गए। जिस पर पीड़ित ने सदर थाना महेंद्रगढ़ में आरोपितों के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित किसान राजेश कुमार की शिकायत पर सुमित पुत्र मुकेश, मुकेश पिता सुमित, सुनीता पत्नी मुकेश, मुकेश के बड़े बेटे वासी नया गांव दौलतपुर रेवाड़ी व अंकित निवासी गढ़ी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत में पीड़ित राजेश कुमार ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। उसका बेटा सतीश कुमार नौकरी की तैयारी करता है। जिसकी अंकित पुत्र धर्मपाल वासी गढ़ी के साथ दोस्ती थी। दोनों साथ में रेस की तैयारी करते थे। एक दिन अंकित व सुमित पुत्र मुकेश कुमार वासी नया गांव दौलतपुर रेवाड़ी उसके घर गांव खातोद आए और कहा कि सुमित का पिता मुकेश भर्ती करवाता है। जिसने पहले भी बहुत लड़के भर्ती करवाए है तथा कहा कि उसके बेटे सतीश कुमार को इनकम टैक्स विभाग में एलडीसी क्लर्क लगवा देगा। इसके कुछ दिन बाद अंकित व सुमित फिर से घर आए और उसके बेटे सतीश कुमार रेवाड़ी मुकेश के घर ले गए। जहां पर मुकेश, मुकेश की पत्नी सुनिता व मुकेश का बड़ा बेटा मौजूद था। जहां पर मुकेश व उसके बड़े बेटे ने कहा कि सतीश कुमार को एलडीसी क्लर्क लगवा देंगे, जिसके लिए आपको 12 लाख रुपये देने होंगे। इस दौरान मुकेश की पत्नी सुनिता ने कहा कि अगर काम नहीं हुआ तो आपके रुपये वापस ले लेना। इसके कुछ दिन बाद सुमित पुत्र मुकेश, मुकेश व अंकित उसके घर खातोद आए। जिस पर उसने अपने छोटे भाई राहुल पुत्र हंसराज को भी घर पर बुला लिया। इस दौरान पुष्पेंद्र पुत्र भंवर सिंह वासी पहाड़ावास भी उसके घर पर आया हुआ था। इन सबके सामने उसने अंकित पुत्र धर्मपाल, सुमित पुत्र मुकेश व स्वयं मुकेश ने कहा कि काम पक्का है, 12 लाख रुपये में सतीश को एलडीसी क्लर्क लगवा देंगे। दिल्ली आईटीओ बुला लिया, जहां पर सुमित ने 20 हजार रुपये टोकन मनी के नाम पर फोन-पे करवा लिए। इसके बाद आईटीओ के अंदर से एक व्यक्ति आया और उसके बेटे सतीश कुमार को अंदर ले गया तथा किसी फार्म पर उसके हस्ताक्षर करवा लिए। इसके बाद फिर सतीश के पास सुमित का फोन आया और कहा कि दिल्ली आजा, वह दिल्ली आईटीओ में मिलेगा, काम करवा दूंगा। जिस पर सतीश दिल्ली चला गया, जहां पर आईटीओ में सुमित मिला। जहां पर सुमित से उसके बेटे से दस्तावेज लिए और दो ब्लैंक चेक पर हस्ताक्षर करवा लिए। इसके अलावा कुछ कागजों पर भी हस्ताक्षर करवा लिए।

फ्रॉड कर एटीएम से निकाले 31 हजार 800 रुपये

नारनौल। बच्चों को लेकर अस्पताल गए एक व्यक्ति को एटीएम कहीं पर गिर गया। जिसे किसी अज्ञात ने उठा लिया और फ्रॉड कर 31 हजार 800 रुपये निकाल लिए। इस बारे में थाना निजामपुर पुलिस में दी शिकायत में ओमप्रकाश पुत्र जगराम वासी बसीरपुर ने बताया कि उसने अपना एटीएम 21 अप्रैल को अपने छोटे भाई सुनील को इलाज में रुपये इस्तेमाल करने के लिए दिया था। पीड़ित ने बताया कि 22 अप्रैल सुबह करीब चार बजे उसका भाई बच्चों को लेकर अस्पताल में गया। इस दौरान उसकी जेब से एटीएम कहीं पर गिर गया। जिसे उठाकर किसी ने रुपये निकाल लिए। जिसकी ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज करवाई।

हाथी पृथ्वी का इकलौता ऐसा जानवर है जो कूद नहीं सकता।

डॉल्फिन के पास 100-200 के बीच दांत होते हैं, लेकिन फिर भी वह अपने शिकार को निगल कर खाते हैं।

मेहनत कर आप भी बन सकते हैं पोस्ट अधिकारी

नालेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

कौन होता है पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जरूरी योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

कैसे बने पोस्ट अधिकारी

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में भारी जरूरत

दूसरों का मन पढ़ने की काबिलियत है तो मनोवैज्ञानिक बन चमका सकते हैं करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

युवाओं की बन रहा पहली पसंद

मनोवैज्ञानिक का अर्थ होता है कोई ऐसा व्यक्ति जो दूसरों के मन की बात जान सकें, उसे मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इंग्लिश में इसे साइकोलॉजिस्ट कहते हैं। वर्तमान समय में यह शब्द काफी ज्यादा प्रचलित है क्योंकि बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता रहती है। आमतौर पर विज्ञान तथा मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर साइकोलॉजिस्ट की आवश्यकता रहती हैं और वैसे भी प्रत्येक इंसान यह चाहता है कि वह दूसरों के मन की बात जान सकें, दूसरों के दिमाग में क्या चल रहा है। इस बारे में वह समझ सकें। लेकिन इसे किसी जादू से या तंत्र विद्या से हासिल नहीं किया जाता है, बल्कि मनोविज्ञान पढ़ना होता है। जिसके अंतर्गत आप दूसरों के मन की बात जान सकते हैं। विशेष रूप से ऐसे व्यक्ति जो मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग की स्थिति जानकर उनका उपचार किया जाता है।

काफी काम आते मनोवैज्ञानिक

इसीलिए मेडिकल के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक की आवश्यकता होती है। दुनिया भर में बड़े पैमाने पर मनोवैज्ञानिक मौजूद हैं। इसके अलावा सरकार भी अपने विरोधी देशों के सरकार के दिमाग में चल रहे क्रियाकलापों के बारे में जानना चाहती हैं, इस जगह पर मनोवैज्ञानिक काफी काम आते हैं। अगर आप भी मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? यानी की मनोवैज्ञानिक बनना चाहते हैं? तो इसके लिए आपको क्या-क्या करना होगा? किस प्रकार के पढ़ाई करें? कितना समय लगेगा? तथा किस प्रकार से आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे? इस प्रकार की पूरी जानकारी इस आर्टिकल में हम आपको विस्तार से बताएंगे। इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद आपको पता चल जाएगा कि मनोवैज्ञानिक कैसे बनें। तो चलिए आपको बताते हैं कि मनोवैज्ञानिक क्या होता है? तथा मनोवैज्ञानिक कैसे बनते हैं?

क्या होता है मनोवैज्ञानिक

साइकलोजिस्ट को हिंदी में मनोवैज्ञानिक कहते हैं। इसका अर्थ होता है कि मानव मस्तिष्क का अध्ययन करना तथा मानव मस्तिष्क को समझना। आसान भाषा में बताएं तो किसी भी व्यक्ति के दिमाग में क्या चल रहा है? वह व्यक्ति क्या सोच रहा है? तथा आगे क्या कर सकता है? इस बात को समझ कर उसका अर्थ निकालना मनोवैज्ञानिक कहलाता है। विशेष रूप से अगर कोई व्यक्ति गुस्से में है, खुशी में है, या दुख में है? तो मनोवैज्ञानिक उनकी भावनाओं के आधार पर उसके मस्तिष्क का अध्ययन करके यह पता लगाते हैं कि उसके दिमाग में क्या चल रहा है। इस तरह का मस्तिष्क का अध्ययन करने वाले व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक कहते हैं। आमतौर पर आज के समय में तनाव तथा डिप्रेशन से ग्रसित लोगों को मनोवैज्ञानिक की अत्यधिक आवश्यकता होती है क्योंकि वह लोग पूरी तरह से तनाव में जकड़ जाते हैं। जबकि विशेषज्ञों को अपनी परेशानी भी खुलकर नहीं बताते हैं। ऐसी स्थिति में मनोवैज्ञानिक उनके मस्तिष्क का अध्ययन करके व्यक्ति के व्यवहार उसकी सोच भावनाएं इत्यादि के बारे में विस्तार से गहनता से अध्ययन करके उसके दुखों का पता लगाते हैं, जिसके आधार पर उनका उपचार किया जाता है और वे ठीक हो जाते हैं। यही वजह है कि आज के समय में मनोवैज्ञानिक की काफी ज्यादा डिमांड बढ़ गई है।

साइकोलॉजिस्ट के कार्य

साइकोलॉजिस्ट का मुख्य कार्य रिसर्च का अध्ययन करना होता है। साइकोलॉजिस्ट मुख्य रूप से मानसिक रूप से बीमार तथा मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों वाले मरीजों के मस्तिष्क का अध्ययन करते हैं। ताकि उन्हें उचित उपचार दिलाया जा सकें और उनके मस्तिष्क को ठीक किया जा सकें। इसीलिए इंसानी दिमाग को पढ़ने के लिए इस तरह के साइकोलॉजिस्ट होते हैं। साइकोलॉजिस्ट किसी भी इंसान के दिमाग को पढ़ने का काम करते हैं, जिससे उन्हें पता चल जाता है कि वह किस प्रकार से सोचते हैं? किस प्रकार से योजना बनाते हैं। साइकोलॉजिस्ट विज्ञान की एक शाखा है। इसीलिए इसका मुख्य रूप से उपयोग मेडिकल तथा रिसर्च एवं प्रयोग से संबंधित होता है। मनुष्य का व्यक्ति किस प्रकार से कार्य करता है? मस्तिष्क में कौन-कौन से विचार आते हैं? इत्यादि के बारे में गहनता से साइकोलॉजिस्ट द्वारा अध्ययन किया जाता है। आमतौर पर आज के समय में ज्यादातर लोग डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं, तनाव के शिकार हो जाते हैं, मन में अनचाहे विचार आते हैं, विभिन्न प्रकार की सोच होती है, भावनाएं काबू में नहीं रहती है, तरह-तरह की फीलिंग आती है, विभिन्न प्रकार का प्रसार बना रहता है, इससे उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। इन सभी कार्यों का अध्ययन मनोवैज्ञानिक अर्थात साइकोलॉजिस्ट द्वारा किया जाता है।

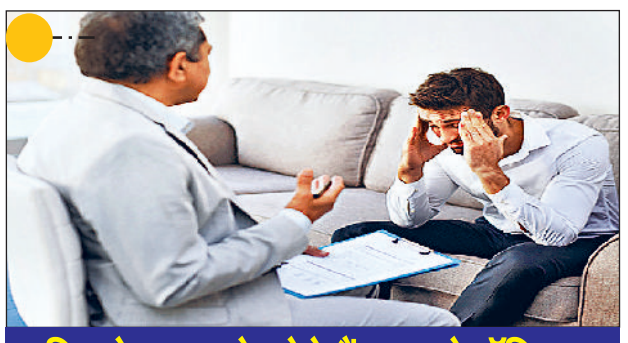

कितने प्रकार के होते हैं साइकोलॉजिस्ट

व्यक्तिगत साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्तिगत सोच के तरीकों को अध्ययन के रूप में जाना जाता है। इससे यह पता चलता है कि व्यक्तिगत रूप से व्यक्ति की सोच बदलाव तथा उसके परिवर्तन में क्या कारण आए हैं। इस बारे में गहनता से अध्ययन किया जाता है।

सामाजिक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत एक समाज या समूह के मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसके दौरान यह पता लगाया जाता है कि वह समाज या संगठन अथवा समूह किस प्रकार का व्यवहार रखता है, किस प्रकार से सोचता है, उनका क्या विकास है तथा क्या उनकी भावनाएं है। इत्यादि सामाजिक साइकोलॉजिस्ट के अनुसार अध्ययन किया जाता है।

जैविक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अनुसार शरीर में बदलाव के रूप में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है यानी कि शरीर में जिस प्रकार से जैविक प्रक्रिया के अनुसार बदलाव होते हैं? उस समय मनुष्य का मस्तिष्क किस तरह से प्रभावित होता है। इस बारे में अध्ययन किया जाता है।

नैदानिक साइकोलॉजिस्ट : यहां शाखा विशेष रूप से मानसिक रोगियों के लिए उपलब्ध की गई है। विशेष रूप से जो व्यक्ति दिमाग की बीमारियों से ग्रसित है या मानसिक रूप से कमजोर हैं। उनके दिमाग को पढ़कर उपयुक्त इलाज के लिए उनके मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इसीलिए इसे नैदानिक साइकोलॉजिस्ट कहते हैं।

सज्ञानात्मक साइकोलॉजिस्ट : इस शाखा के अंतर्गत व्यक्ति के सोचने के तरीके निर्णय लेने के तरीके समस्या और परेशानियों से समझने के तरीके तथा बात करने के तरीकों के बारे में मस्तिष्क का अध्ययन किया जाता है। इस साइकोलॉजिस्ट शाखा को संज्ञानात्मक शाखा कहते हैं। विशेष रुप से इस शाखा के साइकोलॉजिस्ट को बड़े-बड़े देश की सरकारें विरोधी देशों के लिए इस्तेमाल करती है।

ऐसे बनें मनोवैज्ञानिक

- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए अभ्यर्थी को सबसे पहले बैचलर ऑफ साइकोलॉजी का कोर्स करना होगा। यह कोर्स 3 वर्ष का होता है। इसके अंतर्गत 2 वर्ष का मास्टर ऑफ साइकोलॉजी कोर्स करना होता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए विशेष रूप से आपको इस विषय में रुचि होने चाहिए, तभी आप साइकोलॉजिस्ट बन पाएंगे।
- साइकोलॉजी के क्षेत्र में मास्टर की डिग्री प्राप्त करने के बाद स्पेशलाइजेशन भी किया जा सकता है।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए गहनता से सुनने की क्षमता होनी चाहिए।
- दूसरों के मस्तिष्क को बारीकी से जानने और उस पर अध्ययन करने की प्रबल इच्छा होनी चाहिएं।
- अभ्यर्थी की अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल होनी चाहिए।
- साइकोलॉजिस्ट बनने के लिए धैर्यवान, आत्मविश्वास तथा सुनने एवं समझने की योग्यता रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया कार्यस्थल को बना रहा विषैला, युवा सावधानी से करें उपयोग

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

सोशल मीडिया का उपयोग समाज में एक व्यापक बदलाव लाया है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह व्यक्तिगत और व्यापारिक जीवन को कैसे प्रभावित कर रहा है? वास्तव में, सोशल मीडिया ने कार्यस्थल को विषैला बना दिया है। यहां हम उस तरह के प्रभावों पर विचार करेंगे जिनसे सोशल मीडिया कार्यस्थल में वातावरण को नकारात्मक बनाता है। आज के युवा लोगों के लिए सोशल मीडिया एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। यह उन्हें दोस्तों के साथ जुड़े रहने, नए ज्ञान की प्राप्ति करने और अपने विचारों को साझा करने का माध्यम प्रदान करता है। हालांकि, सोशल मीडिया के उपयोग के साथ ही साइबर बुलिंग का खतरा भी है, जो युवाओं को प्रभावित कर सकता है।

साइबर बुलिंग से बचने को जागरुकता जरूरी

यहां हम कुछ सलाह प्रस्तुत कर रहे हैं जो युवा लोगों को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों से बचाने में मदद कर सकती हैं। सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण उपाय है जागरूकता। युवाओं को सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग के खतरों के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे संवेदनशीलता के साथ इन खतरों को पहचान सकें और उनसे बच सकें। सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह न केवल युवाओं को अपनी सोशल जिम्मेदारियों को समय से ख़त्म करने के लिए सिखाता है, बल्कि उन्हें सकारात्मक और उत्तरदायी रूप से सोशल मीडिया पर बर्ताव करने के लिए भी प्रेरित करता है। यदि कोई युवा साइबर बुलिंग का शिकार होता है, तो उसे सहानुभूति और समर्थन की जरूरत होती है। वह खुद को अकेला महसूस नहीं करें और उसे अपनी समस्या को साझा करने के लिए स्वतंत्र महसूस करने के लिए प्रेरित करें। युवाओं को अपनी गोपनीयता की महत्वपूर्णता के बारे में शिक्षा देना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने व्यक्तिगत जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करने से पहले सोचने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। युवाओं को सकारात्मक सोशल मीडिया अनुभव प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। वे अपने सोशल मीडिया खातों पर सकारात्मक और उत्तेजक सामग्री को साझा करने और देखने के लिए उत्साहित होना चाहिए। इन सलाहों का पालन करते हुए, युवा लोग सोशल मीडिया के खतरों से बच सकते हैं और उसे सकारात्मक और सार्थक रूप से उपयोग कर सकते हैं। सोशल मीडिया का उपयोग करने में लोग अक्सर कार्यस्थल में समय की बर्बादी करते हैं। वे काम के समय में अपने सोशल मीडिया खातों को चेक करने में लगे रहते हैं, जिससे कार्य पर ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल होती है और काम की प्रगति पर असर पड़ता है। कई बार सोशल मीडिया पर देखी गई जानकारियों और फोटोग्राफों के कारण, कर्मचारियों के बीच अप्रत्याशित व्यवहार हो सकता है। इससे कार्यस्थल में विश्वास की कमी होती है और सामूहिक संबंधों में कटुता आ सकती है। सोशल मीडिया पर नकली जीवन और सफलता की तस्वीरें देखकर, लोग अक्सर अपनी खुद की तुलना अन्य लोगों से करते हैं, जो मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। इससे कार्यस्थल में रिश्तों में टेंशन और आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कार्यस्थल में सोशल मीडिया का उपयोग करते समय, कर्मचारियों को गोपनीयता का अनुपालन करना चाहिए। लेकिन अक्सर लोग निजी जानकारी को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं, जिससे गोपनीयता की चुनौती पैदा होती है और अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं।

महिलाएं हो रहीं ज्यादा प्रताड़ित

सोशल मीडिया का उपयोग करने से कर्मचारियों के बीच संवाद की कमी हो सकती है। वे अक्सर चैट, इमेल या सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद करते हैं, जिससे सामूहिक दृष्टिकोण और टीम काम को प्रभावित किया जा सकता है। सोशल मीडिया का सही उपयोग करते हुए जागरूक रहना चाहिए और कार्यस्थल में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। "सोशल मीडिया और डिजिटलीकरण का आगमन कार्यस्थलों में अनेक नए संभावनाओं का उत्थान किया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। महिलाएं, खासकर कार्यस्थल में, इस डिजिटल युग में अधिक शिकार बनने के खतरे से जूझ रही हैं। उन्हें अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा ऑनलाइन या ऑफलाइन उत्पीड़न, बुलिंग, या अन्य दुर्व्यवहार का शिकार बनाया जा सकता है। सबसे पहले, महिलाओं को अपने अधिकारों और उन्हें किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होने के लिए जागरूक होना चाहिए। उन्हें यह समझना चाहिए कि कैसे वे अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं और कैसे वे अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल कर सकती हैं। महिलाओं को एक समर्थन सिस्टम की आवश्यकता होती है, जो उन्हें आत्मसमर्थन, सलाह, और समर्थन प्रदान कर सकता है। कार्यस्थल में, इसका मतलब है कि कंपनी को नेतृत्व से लेकर सहकर्मियों तक, सभी को महिलाओं का समर्थन करना चाहिए। कंपनी को सुनिश्चित करना चाहिए कि वह एक स्पष्ट और सख्त नीति के साथ साइबर बुलिंग और उत्पीड़न के खिलाफ है। यह नीतियाँ और प्रक्रियाएँ महिलाओं को सुरक्षित और समर्थित महसूस करने में मदद कर सकती हैं। कंपनी को एक विशेष जाँच और प्रतिक्रिया प्रक्रिया अपनानी चाहिए, जिसमें किसी भी उत्पीड़न की शिकायत को गंभीरता से लिया और संवेदनशीलता के साथ उसका समाधान किया जाता है।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जम्मू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

पीठासीन अधिकारियों की प्रथम रिहर्सल आयोजित

लोकसभा आम चुनाव: ईवीएम व वीवीपीएटी की हैंड ऑन ट्रेनिंग दी

स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करवाना हम सभी जिम्मेदारी: महावीर प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता के दिशा निर्देश अनुसार शुक्रवार को लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में लोकसभा आम चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारियों की प्रथम रिहर्सल करवाई गई। इस दौरान जिला नगर आयुक्त महावीर प्रसाद की देखरेख में पीठासीन अधिकारियों को ईवीएम व वीवीपीएटी की हैंड ऑन ट्रेनिंग करवाई तथा उन्हें चुनावी प्रक्रिया के बारे में बारीकी से बताया गया।

डीएमसी ने कहा कि किसी भी प्रजातांत्रिक देश में चुनाव प्रक्रिया सबसे अहम होती है। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव करवाना हम सब की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी अपनी डायरी में चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार रिपोर्ट दर्ज करें। पीठासीन अधिकारी की हैंडबुक में दर्ज एक-एक बात को ध्यानपूर्वक पढ़ें। पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी का कार्य भारत के चुनाव आयोग में प्रतिनियुक्ति पर माना जाएगा। पीठासीन अधिकारी मतदान केंद्र पर होने वाली गतिविधियों के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं। अपने मतदान केंद्र पर स्वतंत्र तथा निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना आपका प्राथमिक कर्तव्य तथा जिम्मेदारी ह व सभी राजनीतिक दलों तथा स्वतंत्र उम्मीदवारों सहित चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ समान व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को मतदान केंद्र से 200 मीटर की दूरी पर एक मेज व दो कुर्सी व छाता की अनुमति है। मतदान केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी मतदान केंद्र पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए उतरदायी हैं।

नारनौल। चुनावी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते डीएमसी महावीर प्रसाद। फोटो: हरिभूमि

लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अलर्ट, अर्द्धसैनिक बल व पुलिस ने नांगल चौधरी में निकाला फ्लैग मार्च

नारनौल। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर महेंद्रगढ़ पुलिस अलर्ट मोड़ पर है। पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के दिशा निर्देशानुसार लोकसभा चुनाव के मध्यनजर नांगल चौधरी एरिया में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीम व अर्द्धसैनिक बलों ने आम नागरिकों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व स्वतंत्र रूप से चुनाव प्रक्रिया में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि जिले में लोकसभा चुनाव को शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष करवाने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अर्द्धसैनिक बल के जवानों के साथ मिलकर नांगल चौधरी क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि मतदाता पूरी निडरता के साथ अपने विवेक व स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चाहे शहर हो या फिर देहात, जहां भी संवेदनशील मतदान केंद्र हैं, वहां पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध रहेंगे।

आज सहायक पीठासीन अधिकारियों की रिहर्सल

लोकसभा आम चुनाव के लिए 27 अप्रैल को सभागार में सहायक पीठासीन अधिकारियों की प्रथम रिहर्सल होगी। यह जानकारी देते हुए भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए सहायक पीठासीन अधिकारियों की लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार भवन में पहले रिहर्सल होगी। सहायक पीठासीन अधिकारियों को की हैंड ऑन ट्रेनिंग भी दी जाएगी। साथ ही उन्हें पूरी चुनाव प्रक्रिया के बारे में समझाया जाएगा। महेंद्रगढ़ निष्पक्ष में शांतिपूर्ण चुनाव करवाने को प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन की ओर से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मतदान अधिकारियों की यह है ड्यूटी

प्रथम मतदान अधिकारी मतदाता सूची की चिन्हित प्रति के प्रभारी होंगे तथा मतदाताओं की पहचान के लिए जिम्मेदार होंगे। द्वितीय मतदान अधिकारी अमिट स्याही के प्रभारी होंगे। वे मतदाता के बाएं हाथ की तर्जनी अंगुली पर अमिट स्याही से निशान लगाएंगे। द्वितीय मतदान अधिकारी फार्म 17ए में मतदाता रजिस्टर के भी प्रभारी होंगे। जिनकी पहचान स्थापित हो चुकी है तथा जो मतदान केंद्र पर मतदान करते हैं। अधिकारी मतदाता रजिस्टर में मतदाता का विवरण दर्ज करने के पश्चात प्रत्येक मतदाता को मतदाता पर्ची भी जारी करेंगे।

सूरज के युवराज जेईई मेंस में पास

- युवराज ने प्राप्त किए 98 .86 प्रतिशत अंक, दीपक, भावेश, अशोक व मीनाक्षी भी टॉप पांच में स्थान बनाने में रहे सफल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित जेईई मेन्स-2 की परीक्षा के साथ विद्यार्थियों का फाइनल स्कोर जारी किया गया, जिसमें सूरज स्कूल के विद्यार्थियों को परिणाम बेहतरीन रहा और बहुत से विद्यार्थियों ने अपना स्कोर बढाया। संस्था निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा इस परीक्षा का आयोजन दो सत्र में करवाया गया, जिसमें सभी परीक्षार्थी अपनी सुविधानुसार पुनः परीक्षा में भी भाग लिया तथा इस फाइनल परीक्षा के परिणाम में सर्वाधिक युवराज 99.86, दीपक यादव ने 99.65, भावेश 99.30, अशोक 99.02 एवं मीनाक्षी ने 99.01 परसेंटाईल अंक हासिल कर विद्यालय की टॉप-5 श्रेणी में स्थान बनाया। इसी क्रम में आदित्य तिवारी ने 98.70, अतुल ने 98.50, श्वेता ने 98.33, प्रीतम ने 98.28, अल्का ने 98.23, मनु कौशिक ने 98.18, तिलक वत्स ने 97.80, पुष्पांजलि ने 97.59, अमित ने 97.43, प्रदीप ने 97.29, हिमांशु यादव ने 97.29, समीक्षा ने 97.25, कुणाल वत्स ने 96.80, प्रगति दुबे ने 96.80, सुमित 96.50, आयुष ने 96.38, अंतिम ने 96.23, अमन ने 95.07, जतिन ने 94.79, मानव प्रताप ने 94.73 सहित अन्य बहुत से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने श्रेष्ठतम परसेंटाइल अंक हासिल कर अपनी अदभुत क्षमता का परिचय देते हुए विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया किया।

एचपीएस स्कूल के 7 विद्यार्थियों ने पाई जेईई मेंस परीक्षा में सफलता

नारनौल। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से घोषित जेईई मेंस परीक्षा परिणाम में नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल के सात विद्यार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। स्कूल के विद्यार्थी अवनी गर्ग, जयंत गांधी, शशांक अग्रवाल, अंशु यादव, निक्की, टीना व प्रियांश वर्मा ने अच्छे अंक लेकर यह परीक्षा उत्तीर्ण की व अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय एचपीएस गुरुजनों व अपने माता-पिता को दिया। प्रबंधन कमेटी से डा. हितेश वर्मा व निधि वर्मा ने सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर व फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। संस्था अध्यक्ष मनोज भारद्वाज ने इस शानदार सफलता पर विद्यार्थियों का उचित मार्गदर्शन करने वाले समस्त अध्यापकगण व उनके अभिभावकों को बधाई दी। प्राचार्य सुनील यादव ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि सभी विद्यार्थी प्रारंभ से ही होनहार विद्यार्थी रहे हैं। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए जेईई, आईआईटी, नीट, सीए, सीएस फाउंडेशन के लिए अलग से कक्षाएं लगाई जाती हैं। संस्था संस्थापक सुभाष चंद्र वर्मा व निर्देशक पुष्करमल वर्मा ने सभी छात्रों को बधाई दी।

अरावली स्कूल के 20 छात्र जेईई मेंस में क्वालीफाई

महेंद्रगढ़। अरावली इंटरनेशनल स्कूल के 20 विद्यार्थियों ने जेईई मेंस की परीक्षा को क्वालिफाई किया। छात्र मनन यादव लावन ने 94 परसेंटाइल लेकर स्कूल को टॉप किया। प्राचार्य शक्ति सिंह ने सुबह प्रार्थना सभा मे सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। चेयरमैन अशोक कुमार व सीईओ महेश यादव ने सफलता प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की। एमडी रेखा यादव ने बताया कि इसका श्रेय स्कूल स्टॉफ, अभिभावक व विद्यार्थियों को दिया जाता है। इस मौके पर नीलम यादव, प्रवीण यादव, अशोक कुमार, विकास कुमार, योगेन्द्र यादव, संजय कुमार मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बीआर ज्ञानदीप के बच्चों का जेईई मेंस में परचम

महेंद्रगढ़। जेईई मेंस प्रवेश परीक्षा में बीआर ज्ञानदीप के बच्चों ने सफलता प्राप्त की हैं। प्राचार्य रामवीर यादव ने बताया कि प्रेम कुमार ने 98.7 परसेंटाइल, आशीष कुमार ने 97.75, तमन्ना ने 94 परसेंटाइल लेकर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके अलावा आदित्य, धीरज, सत्यप्रकाश, पवन, निशा, निशांत, सत्यप्रकाश, प्रीत, चंचल, निशांत प्राप्त किए।

घर से निकला व्यक्ति लापता, केस दर्ज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव से घर से निकला व्यक्ति लापता होने का अटेली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। सालीमपुर तुर्कीयावास निवासी मेनपाल ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। गत एक अप्रैल को उसका पिताजी लालाराम सुबह नौ बजे अटेली मंडी में किसी काम के लिए घर से कहकर आया था।

ट्यूबवेल से केबल, नोजल व मोबाइल चोरी

नारनौल। गुवानी गांव में किसान के खेत से ट्यूबवेल की केबल, ट्यूबवेल के साथ बने टीनशेड से एक मोबाइल फोन व टीनशेड के पास रखे 25 नोजल फव्वारा अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। जितेंद्र ने बताया कि जब वह खेत में गया तो देखा कि ट्यूबवेल की 60 फुट केबल, व एक मोबाइल गायब मिला।

सेमिनार और स्वाध्याय परीक्षा का समापन

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों के सेमिनार एवं स्वाध्याय की परीक्षा का समापन किया गया। इस अवसर पर डॉ. नरेश शास्त्री ने बतौर मुख्यवक्ता अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि हिन्दी भाषा का प्रचार-प्रसार अति आवश्यक है तथा संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार 22 भाषाओं को इसमें शामिल किया गया है।

विद्यार्थियों ने रैली निकाल किया जागरूक

कनीना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ी तलवाना के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने शुक्रवार को जागरूकता रैली निकाली। प्राचार्य दीपक कुमार लाटा ने बताया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार के सहयोग से सरकारी स्कूलों में स्किल डेवलपमेंट के लिए व्यवसायिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने वोकेशनल शिक्षा की जानकारी दी।

आरआरसीएम के तीन बच्चों ने निबंध लेखन

महेंद्रगढ़। आरआरसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल कनीना के तीन विद्यार्थियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि 23 अप्रैल को जवाहर नवोदय विद्यालय करीरा में प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिले के अधिकतर सरकारी व गैरसरकारी विद्यालय से विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें आरआरसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल कनीना से अनुज पुत्र राजेश कक्षा 10वीं, अंशुल पुत्री अजीत कक्षा 12वीं और पूजा पुत्री राजेश ने निबंध लेखन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चेयरमैन रोशनलाल यादव, प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा व निर्देशक विपुल यादव ने भी विद्यार्थियों को सराहा। शिक्षक शीतल यादव व रणबीर सिंह ने भी बच्चों को गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ओएसिस स्कूल के 22 बच्चों के जेईई में 90% से अधिक अंक

- परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को स्कूल में किया सम्मानित
- बच्चों ने स्टाफ व अभिभावकों को दिया सफलता का श्रेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

देश दर्शन | अमन | पीयुष | तनुज

एनटीए की ओर से घोषित जेईई मेंस परीक्षा परिणाम में ओएसिस इंटर नेशनल स्कूल कुलताजपुर रोड के विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। स्कूल के छात्र देव दर्शन पुत्र पवन ने 99.73 परसेंटाइल अंक, अमन पुत्र सुनील कुमार ने 99.29 परसेंटाइल, पीयुष पुत्र प्रविंद्र ने 99.20 परसेंटाइल, तनुज पुत्र राजसिंह ने 98.78 परसेंटाइल, हिमांशु पुत्र बलवान ने 97.27 परसेंटाइल, केशव पुत्र अशोक ने 96.27 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है। इसके अलावा प्रिंस, आर्या, हितांश, मन्नु, दीक्षांत, कोमल ने 95 परसेंटाइल अंक लेकर परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। स्कूल के कुल 31 बच्चों ने जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई किया है। जिसमें से 22 बच्चों ने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए है। बच्चों ने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व स्कूल अध्यापकों को दिया। इस अवसर पर स्कूल स्टॉफ सदस्यों ने सफलता प्राप्त करने वाले बच्चों को बधाई दी।

ऐशली स्कूल के 8 छात्र जेईई मेंस में रहे सफल

- 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वालों में शामिल स्कूल के कई छात्र

नारनौल। एनटीए की ओर से घोषित जेईई मेंस परीक्षा परिणाम में ऐशली पब्लिक स्कूल अटेली के आठ विद्यार्थियों ने 90 परसेंटाइल प्राप्त कर सफलता हासिल की है। जिसमें हिमांशु पुत्र बलवान निवासी राजपुरा ने 97.25 परसेंटाइल, केशव पुत्र अशोक बिहाली ने 96.27 परसेंटाइल अंक हासिल किए है। इनके अलावा आर्या, हिमांशु, प्रिंस, मन्नु, दीक्षांत व कोमल ने 90 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए है। इन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम देकर अपने माता-पिता व विद्यालय का नाम रोशन किया है। बच्चों की सफलता पर विद्यालय स्टॉफ सदस्यों ने सम्मानित किया है।

जेईई मेंस में बीपीएस स्कूल के छात्र छाए

नारनौल। हाल ही में एनटीए की ओर से घोषित जेईई मेंस परीक्षा परिणाम में बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड के विद्यार्थियों ने शानदार परीक्षा परिणाम दिए। साइंस संकाय एचओडी जेपी गर्ग ने बताया कि इस परीक्षा में बीपीएस के पांच विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। जिसमें छात्र रौनक ने 9913 परसेंटाइल, दीक्षित ने 98.88 परसेंटाइल, पार्थ ने 97.40 परसेंटाइल, पंकज 95.6 परसेंटाइल व यश ने 90 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर विद्यालय व अभिभावकों का नाम रोशन किया। उन्होंने बताया कि उपरोक्त पांच विद्यार्थियों ने बिना किसी कॉचिंग के नियमित स्कूल में अध्ययन करके यह सफलता प्राप्त की। सभी सफल विद्यार्थियों ने इस मुकाम पर पहुंचाने के लिए अपने अध्यापकों का धन्यवाद किया।

राव नेतराम के छात्रों ने पाई जेईई मेंस में सफलता

नारनौल। राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर के विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा में पास छात्रों को स्कूल में सम्मानित किया। विद्यालय प्राचार्या अनिता देवी ने बताया कि जेईई मेंस सेशन-2 के परीक्षा परिणाम में स्कूल की छात्रा ईशा पुत्री विनोद सलीमपुर ने 97 परसेंटाइल व योगेश पुत्र प्रदीप कारिया ने 92 परसेटाइल अंक हासिल किए है। इस मौके दीपक, पूनम, ज्योति, अनिता देवी, मोनिका, सपना, श्यामसुंदर, मीना, सुरेखा आदि मौजूद थे।

जेईई मेंस में छाए यदुवंशी के छात्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

एनटीए की ओर से घोषित जेईई मेंस परीक्षा परिणाम में यदुवंशी शिक्षा निकेतन के छात्र विशेष सैनी पुत्र सतीश कुमार ने 99.88 परसेंटाइल प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। उपप्राचार्य नरेश कुमार ने बताया यदुवंशी शिक्षा निकेतन के पांच विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। विशेष सैनी पुत्र सतीश ने 99.88 परसेंटाइल, विशेष पुत्र राकेश ने 99.31, भूपेंद्र पुत्र चंद्रहास ने 99.24, निशांत पुत्र कर्णसिंह ने 99.11, अंशिका पुत्री विजय कुमार ने 99.09, सुप्रिया पुत्री धानूष कुमार ने 99.96, अक्षय पुत्र विजयपाल ने 98.72 परसेंटाइल हासिल कर जिले में ही नहीं अपितु पूरे हरियाणा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। यदुवंशी विद्यालय से 35 छात्र जेईई एडवांस के लिए क्वालिफाई हुए हैं। सभी विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। ग्रुप के वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्णसिंह यादव व विद्यालय की निदेशिका सुरेश यादव ने विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व उनके अभिभावकों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय की निदेशिका सुरेश यादव, प्राचार्य कृष्ण कुमार मलिक, संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सफल विद्यार्थियों व अभिभावकों को बधाई दी।

अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर कार्रवाई चार आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। जिले में असामाजिक गतिविधियां फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया गया। जिसके तहत अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के खिलाफ संबंधित थानों में मामले दर्ज किए गए। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान प्रकाश वासी बोचड़िया, धर्मेंद्र उर्फ सचिन उर्फ फंडी वासी मेघोत बिंजा, सुगन सिंह वासी सोहड़ी व वीरेंद्र वासी गोद के रूप में हुई। पुलिस प्रवक्ता युमित कुमार ने बताया कि पुलिस की विभिन्न टीमों ने कार्रवाई करते हुए आठ स्थानों से अवैध शराब बरामद की है।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका के 6 छात्रों ने जेईई मेंस परीक्षा में पाई सफलता

नारनौल। देश की 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की ओर से आयोजित जेईई मेंस परीक्षा में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका के छह छात्रों ने सफलता प्राप्त की है। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में उज्ज्वल कुमार, बबलू, गगन, विश्वास तनेजा, कृष्ण व साहिल शामिल है। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय में जश्न का माहोल रहा। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि क्षेत्र में होनहार प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। सिर्फ उन्हें सही मार्गदर्शन व उचित दिशानिर्देश देकर सही मंजिल पर ले जाने की जरूरत है। चेयरमैन राजपाल यादव ने बताया कि आज संस्था प्रत्येक वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे ले जा रही है। जिसके परिणाम स्वरूप आज गरीब परिवार का विद्यार्थी बुलंदियों को छू रहा है। प्राचार्य ने सभी सफल विद्यार्थियों व अध्यापकों को बधाई दी।

जेईई में सीएल स्कूल का परिणाम सराहनीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

एनटीए की ओर से घोषित जेईई परीक्षा परिणाम में सीएल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का सराहनीय प्रदर्शन रहा। विद्यालय के चार विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। विद्यालय के प्रबंधक निदेशक डा. अमित गुप्ता ने बताया कि परीक्षा में सीएल स्कूल के छात्र निशांत पुत्र सतीश ने 99.62 परसेंटाइल, हर्ष पुत्र सुरेंद्र ने 98.60 परसेंटाइल, तुषार पुत्र सुरेश कुमार ने 97 परसेंटाइल व लक्ष्य सोनी पुत्र मुकेश सोनी 90 परसेंटाइल अंक लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल की। इन सभी विद्यार्थियों का स्कूल में फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। लीगल एडवाइजर सुखवर्षा गुप्ता ने विद्यार्थियों को अगले स्तर पर होने वाली परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दी।

कुटुंब पैलेस में श्रीमद्भागवत कथा कल से

प्रभात फेरी निकालकर किया जाएगा आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। बैठक करते संस्थान के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णय लिया गया कि धर्म की रक्षा के लिए समय-समय पर धार्मिक आयोजन होते रहने चाहिए। संस्था के सचिव सुरेंद्र गोयल ने बताया कि सभी धर्म प्रेमी सज्जनों व भक्तों की ओर से कुटुंब पैलेस चौधरी हर प्रसाद चैरिटेबल ट्रस्ट मोहल्ला महता चौक में 28 अप्रैल से चार मई तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कथा व्यास आचार्य बजरंग शास्त्री महाराज भक्तों को कथा अमृत का रसपान करवाएंगे।

उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम कथा स्थल कुटुंब पैलेस से प्रभात फेरी व कलश यात्रा निकाली जाएगी। संस्था के सहकोषाधक्ष विनोद सोनी ने बताया कि कथा का समय दोपहर दो बजे से सायं छह बजे तक का रहेगा। उन्होंने बताया कि पांच मई को यज्ञ में पूर्णाहुति दी जाएगी। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। संयोजक विजय जिंदल ने बताया कि कथा आयोजन के सभी कायार्ें के लिए सभी सदस्यों को जिम्मेवारियां सौंपी गई है।

उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों व शहरवासियों से आग्रह किया कि इस भक्ति ज्ञान रूपी श्रीमद्भागवत कथा रूपी अमृत का पान करने के लिए सपरिवार पहुंचे। सहसंयोजक संजय अग्रवाल ने बताया कि जो भी सज्जन कथा में यजमान बनना चाहते या किसी प्रकार का तन-मन-धन से सहयोग करना चाहते वह संस्था के किसी भी सदस्य से संपर्क कर सकते हैं। कथा के मुख्य यजमान सपत्नीक महेश भालोठिया होंगे। इस मौके पर मनीष शास्त्री, प्रधान महेंद्र नूनीवाला, उपप्रधान सुरेश शर्मा, संजय गर्ग, प्रदीप संघी, राजेंद्र गुप्ता, सुमित अग्रवाल, दीपक बंसल, संजय बंसल, पवन शर्मा, चिराग गोयल, राकेश बंसल, सोमदेव शर्मा, कृष्ण गुप्ता, विनोद सर्राफ आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

नांगल चौधरी। राव दान सिंह को टिकट मिलने पर खुशी का इजहार करते कांग्रेसी कार्यकर्ता।

राव दानसिंह को टिकट मिलने से कार्यकर्ता खुश

नांगल चौधरी। महेंद्रगढ़ के विधायक राव दानसिंह को भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा से प्रत्याशी बनाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। उबस स्टैंड पर लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया तथा चुनाव प्रचार की रूपरेखा बनाई। पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, चौ. मूलाराम, पंचायत समिति एसोसिएशन के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रवीण चौधरी, विनोद भील, देशराज सरपंच मौजूद रहे।

मंडी अटेली। सिहमा में लड्डू बांटकर खुशी मनाते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

सिहमा गांव भी में लड्डू बांटकर मनाई खुशी

मंडी अटेली। खंड सिहमा में शुक्रवार को कांग्रेस ने राव दानसिंह को भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा प्रत्याशी बनाए जाने पर सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव ने लड्डू बांटे। इस मौके पर कांग्रेस युवा प्रदेश सचिव अजीत सिंह, रजन सिंह, विरेंद्र गोलिया, बिट्टू शर्मा, जितेंद्र, रविंद्र कुमार, सांवत कुमार, विजयपाल, कुलबीर, विनोद, अजीत सिंह, श्यामसुंदर, पंकज आदि मौजूद रहे।

मंडी अटेली। लड्डू बांटकर बांटकर खुशी मनाते राव दानसिंह समर्थक।

राव दानसिंह समर्थकों में खुशी की लहर

मंडी अटेली। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा से राव दानसिंह को कांग्रेस का प्रत्याशी बनाने पर पुराना बस स्टैंड पर कांग्रेसी नेता सुरेंद्र पटवा व सुरेंद्र नंबरदार के नेतृत्व में मिठाई बांटी गई। वहीं तोबड़ा के सरपंच प्रतिनिधि धीरज के नेतृत्व में भी मिठाइयां बांटी गई। इस मौके पर राहुल कौशिक, मंजीत चौधरी, नितेश कुमार व घनश्याम मौजूद थे। रातां बस स्टैंड पर युवा नेता सहीराम यादव के नेतृत्व में लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। वहीं पूर्व सीपीएस अनीता यादव ने राव दानसिंह को विजय बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

सतनाली मंडी। कस्बे में मिठाई बांटकर खुशी का इजहार करते लोग।

कार्यकर्ताओं ने खुशी में की आतिशबाजी

सतनाली मंडी। भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से राव दानसिंह को कांग्रेस का उम्मीदवार घोषित करने पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। राव दानसिंह को उम्मीदवार बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने कस्बे के मुख्य चौक पर एकित्रत होकर आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर खुशी मनाई। इस मौके पर सतनाली धर्मबीर गोठवाल, महेंद्र प्रजापत, पूर्व पंच संतु शेखावत, नेस्सु पहलवान, भानसिंह बीसल, शिंभू सिंह, मनीष मित्तल, अनिल कौशिक मौजूद रहे।

कार का टायर व स्टेपनी चोरी का आरोपी काबू

कनीना। कोर्ट में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ता श्रीकृष्ण का सड़क हादसे में निधन होने के बाद उनकी हादसाग्रस्त कार की स्टेपनी व टायर चोरी करने के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। 22 अप्रैल को बूचावास गोशाला के समीप कृष्ण यादव की कार का एक्सीडेंट हो गया था। जिसमें उनकी मृत्यु हो गई थी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

नारनौल। डीसी को ज्ञापन देते गोठवाल व अन्य पदाधिकारी और सड़क पर बंद किए डिवाइडर कट। फोटो : हरिभूमि

विपरित दिशा से करना पड़ रहा आवागमन

सड़क के बंद किए कट को खोलने की मांग, डीसी दरबार पहुंचे लोग

प्रशासन ने महेंद्रगढ़ रोड पर जेल के सामने गणेश कॉलोनी व रामनगर में आवागमन का सड़क पर बना डिवाइडर ब्लॉग लगाकर किया था बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- कट बंद होने से बुजुर्गों व बच्चों को आवागमन करने में हो रही भारी परेशानी

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जन कल्याण समिति के उपाध्यक्ष सूबेदार सुभाष यादव, कैप्टन दलीप सिंह, कोच रोहतास यादव, चौधरी मीरसिंह, गोविंद शर्मा, धर्मेंद्र, राजेंद्र, सूबेदार महाबीर, चौधरी धर्मवीर, राजपाल, कमल, सूबेदार सुरेश, सुनिल, सूबेदार चितरंजन, जगदीश, प्रवक्ता धर्मपाल, डीपी कंवर सिंह, मदनलाल शर्मा, एडवोकेट जिलेसिंह यादव, कमल शर्मा, राधेश्याम, राजकुमार, कुन्दन लाल, जितेंद्र यादव आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़ रोड पर जेल के सामने गणेश कॉलोनी व रामनगर के अवागमन के सामूहिक आम रास्ते के सामने सड़क पर डिवाइडर कट को लोक निर्माण विभाग ने के ब्लॉक लगाकर बंद कर दिया। जिसको हटाने की मांग को लेकर दोनों कॉलोनियों के निवासी शुक्रवार को जन कल्याण समिति के तत्वावधान में रोषस्वरूप लघु सचिवालय में एकत्रित हुए व उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा।

मामले की जानकारी देते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल ने बताया कि बंद किया गया दोनों कॉलोनियों का यह आम रास्ता है। इस रास्ते के बंद होने से बुजुर्गों स्कूली बच्चों, छोटे बड़े वाहनों व आमजन के सड़क पर विपरीत दिशा में आवागमन होने से हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना रहेगा और ऐसी परिस्थिति में कोई भी अनहोनी घटना हो सकती है। इस रास्ते को बंद करने पर सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के सचिव सुमेर सिंह गोठवाल, यादव सभा के कैप्टन सांवत यादव, गुरु रविदास महासभा के बिरदी चंद गोठवाल, ब्राह्मण सभा के गणपत शर्मा व कैप्टन ब्रह्मदत्त शर्मा, जांगड़ा सभा प्रताप शर्मा, भारतीय सामाजिक परिवर्तन संघ के हजारीलाल खटावला आदि ने विरोध जताते हुए बंद रास्ता खोलने की मांग की।

ज्ञापन सौंपते समय इस मामले में उपायुक्त ने एसडीएम को जांच अधिकारी नियुक्त करने के आदेश दिए हैं।

वहीं ज्ञापन की प्रति एक्सईएन को देते समय उन्होंने पूरा आश्वासन दिया कि डिवाइडर पर बने कट का उसके द्वारा निरीक्षण कर लिया है और आमजनों की सुविधा के दृष्टिगत जनहित में यह कट यथाशीघ्र ही हटा दिया जाएगा।

चार गांवों के 26 किसानों को 6.76 लाख के कृषि औजार दिए

गांव का पानी गांव में रोकने का चलाया अभियान

मेड़ व जोहड़ों की खुदाई करके बरसाती पानी जमा करने व भूजल रिचार्ज की बनाई योजना

जुलाई महीने में पांच हजार पौधरोपण करेगी संस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। गांवड़ी जाट में बारिश का पानी रोकने के लिए निर्मित बांध।

इब्तिदा संस्था अलवर ने निजामपुर ब्लॉक में भूजल रिचार्ज व किसानों को समृद्ध बनाने की योजना बनाई है। जिसके अनुसार चार गांवों के 26 किसानों को 6.76 लाख के कृषि उपकरण वितरित करने के बाद उन्हें खेतीबाड़ी की आधुनिक तकनीक से अवगत करवाया। ग्रामीणों को बरसाती पानी का स्टॉक करने का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संस्था के इंचार्ज नसरूदीन ने बताया कि नांगल चौधरी-निजामपुर ब्लॉक प्रदेश के अंतिम छोर पर स्थित हैं। दोनों ब्लॉक डार्कजोन में हैं और यहां पेयजल व कृषि सिंचाई नहरी पानी पर निर्भर है, लेकिन ब्लॉक के कई गांव नहरों से टच नहीं, जिस कारण भूजल स्तर नीचे जा रहा है। समाधान के लिए सरकार ने अटल भूजल रिचार्ज स्कीम क्रियांवित की है। इसके अलावा इब्तिदा संस्था ने भी निजामपुर ब्लॉक में भूजल रिचार्ज योजना चलाई है। ब्लॉक के गांव गांवड़ी में जाट में 15 लाख की लागत से जोहड़ खुदाई, जमीन का समतलीकरण करवाया है। गंगुताना, नियाजलीपुर, आजमाबाद मौखूता, रोपड़ सराय में भी गांव का पानी गांव में रोको मिशन चलाया है। उन्होंने बताया कि मेड़, बांध तथा जोहड़ों के निर्माण से बरसाती पानी का स्टॉक हो सकेगा और भूजल का स्तर सुधारने में मदद मिलेगी। किसानों को आधुनिक तकनीक और संसाधन मुहैया करवाकर उन्हें आत्म निर्भर बनाने की मुहिम शुरू की है।

वन मंडल अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। अधिकारी राजकुमार को ज्ञापन सौंपते मनोज मेघनवास। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। प्रयास श्री बालाजी संस्था द्वारा पेड़ों को काटकर उन पर नंबर न लिखने का अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में संस्था प्रमुख मनोज ने जिला वन मंडल अधिकारी राजकुमार आईएफएस से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा है। ताकि संस्था के सुझाव को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके। वनमंडल अधिकारी ने संस्था के इस सुझाव पर अपनी सहमति देते हुए कहा कि चार-पांच साल तक के पौधे जो अभी पूर्ण रूप से पेड़ के रूप में विकसित नहीं हुए हैं। उन पर काटकर नंबर लिखने की बजाय गहरे अमिट रंग से लिखने का प्रयास किया जाएगा, ताकि लंबे समय तक पेड़ पर लिखी संख्या न मिटे। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार, वन मंत्रालय इस व्यवस्था को बदलने के लिए प्रयासरत है। कोई ऐसा रास्ता हो जो जमीनी तौर पर आसानी से लागू किया जा सके उस पर विचार किया जा रहा है। मनोज ने बताया कि हमारा उद्देश्य पेड़ों पर काटकर संख्या लिखने से पेड़ को होने वाले नुकसान से बचाने का है।

हकेंवि का हरियाणा नॉलेज कॉपोर्रेशन के साथ ओएमयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। एमओयू हस्तांतरित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अभिजीत कुलकर्णी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय और हरियाणा नॉलेज कॉपोर्रेशन लिमिटेड (एचकेसीएल) के बीच वीरवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विद्यार्थियों को आईटी और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए किए गए इस समझौता ज्ञापन पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार और हरियाणा नॉलेज कॉपोर्रेशन लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ अभिजीत कुलकर्णी ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों को आवश्यक कौशल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब कौशल विकास के लिए एचकेसीएल द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न आईटी और स्किल कोर्स विश्वविद्यालय में रहकर ही कर सकेंगे। हरियाणा नॉलेज कॉपोर्रेशन लिमिटेड के मैनेजिंड डायरेक्टर और सीईओ अभिजीत कुलकर्णी ने कहा कि आईटी और कौशल विकास में प्रशिक्षण प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। इस साझेदारी से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न उच्च गुणवत्ता वाले कोर्स कर सकेंगे व विश्वविद्यालय के कोर्स के साथ-साथ उन्हें कौशल विकास प्रदान कर उनका आत्मविश्वास बढ़ा विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें रोजगार में मदद मिलेगी।

दिया प्रशिक्षण

यहां बता दें कि हरियाणा नॉलेज कॉपोर्रेशन लिमिटेड पिछले दस वर्षों से अधिक समय से हरियाणा प्रदेश में दो लाख से अधिक नागरिकों को आईटी और कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान कर चुका है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना, प्लेसमेंट सेल के समन्वयक तरुण सैनी, एचकेसीएल से प्रोग्राम मैनेजर आशीष कुमार और बिजनेस एनालिस्ट विकास बिश्नोई उपस्थित रहे।

असज एलुमिनी मीट में जुटेंगे हकेंवि के पूर्व छात्र

- विश्वविद्यालय के विकास में योगदान पर कुलपति संग करेंगे चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हकेंवि का भवन। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शनिवार को एलुमिनी मीट का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के एलुमिनी एसोसिएशन के डीन प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में पूर्व छात्र का विशेष सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में प्रतिभागिता के लिए विभिन्न विभागों के 283 पूर्व छात्र शामिल होने जा रहे हैं। प्रो. हरीश कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय प्रशासन व पूर्व छात्र मिलकर एक मंच पर विश्वविद्यालय के विकास में योगदान विषय पर चर्चा करेंगे और सामूहिक रूप से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

केवाईसी के लिए ओटीपी पूछ खाते से 1.50 लाख उड़ाए

नारनौल। मोबाइल फोल पर कॉल करके सिम केवाईसी पेंडिंग बताकर ओटीपी पूछ कर साइबर ठग ने एक व्यक्ति के साथ एक लाख 50 हजार 543 रुपये की ठगी कर दी। राकेश निवासी भुंगारका ने बताया कि उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया और कहा कि आपके सिम का केवाईसी पेंडिंग है। इसके पूरा करवाओ। अज्ञात ने उसके मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा। इसके बाद अगल-अलग ट्रांजेक्शन करके उसके बैंक खाते से एक लाख 50 हजार 543 रुपये कट गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत में साइबर ठग के खिलाफ आईपीसी की धारा 406 व 420 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में समूह चर्चा का किया आयोजन

महेंद्रगढ़। समूह चर्चा में उपस्थित विशेषज्ञ एवं प्रतिभागी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों के संचार और विचार कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित भारत के दृष्टिकोण में युवाओं की भूमिका विषय पर समूह चर्चा 4.0 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चुनौतियों से निपटने के लिए इस तरह के आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने विषय को समसामयिक बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के निर्वहन और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। संगम विवि भीलवाड़ा के विद्यार्थी मामलों के निदेशक प्रो. विनेश अग्रवाल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। उट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने विद्यार्थियों के समग्र विकास में योगदान देने वाली सार्थक गतिविधियों के आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और सुविधाप्रदाताओं को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के उपनिदेशक डॉ. सूरज, डॉ. दिव्या व डॉ. तरुण भी उपस्थित रहे।

बेवल में वर्षों से रास्ते में जमा गंदा पानी

मंडी अटेली। क्षेत्र के गांव बेवल में पिछले आठ सालों से गांव की मुख्य फिरनी में गंदा पानी जमा होने से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि फिरनी पर गंदे पानी की निकासी न होने की वजह से पिछले आठ सालों से गंदा पानी जमा रहता है। जिससे आसपास के रहने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, अब तो उनका वहां से निकलना दुर्भर हो चुका है। निकासी न होने कारण घरों से निकलने वाला गंदा पानी रास्ते में भरा रहता है। जलभराव व गंदगी के कारण लोगों का रास्ते से निकलना मुश्किल है। कीचड़ के कारण आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं।

हकेंवि में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। विशेषज्ञ व्याख्यान देतीं डॉ. इंदुबाला। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस व्याख्यान में विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग की डॉ. इन्दुबाला मुख्यवक्ता के रुप में उपस्थित रहीं।

डॉ. इंदुबाला ने कहा कि विकसित भारत के चार मुख्य स्तम्भ है- नारी, युवा, किसान और दलित। उन्होंने कहा कि हमें महिलाओं की शिक्षा पर बल देना चाहिए। अगर महिलाएं मजबूत होगी तो निश्चित रुप से समाज भी मजबूत होगा। डॉ. इन्दुबाला ने कौशल विकास के द्वारा आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करने की बात कही। उन्होंने बेरोजगारी, मतदान का अधिकार, उद्यमिता एवं राजनीतिक भागीदारी जैसे विभिन्न मुद्दों पर भी प्रकाश डाला।

समस्या बवानियां पावर हाउस: कार्यकारी अभियंता से मिलें ग्रामीण

पावर हाउस की चारदीवारी सहित रखी अनेक मांग

ग्रामीण बोले, दिन के समय महज चार से पांच घंटे मिल रही बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

33केवी पावर हाउस बवानियां से जुड़ी समस्या को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता को ज्ञापन सौंपा हैं। बवानिया 33 केवी पावर हाउस से जुड़े 11 गांव के किसानों को दिन के समय पांच-छह घंटे बिजली मिल रहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि वोल्टेज भी बहुत कम आती है, जिससे किसानों की मोटर नहीं चलती और ज्यादातर किसानों की कम वोल्टेज में मोटर जल जाती है। उन्होंने बताया कि बवानियां पावर हाउस से 11 गांव बवानिया, गागड़वास, बचीनी, चितलांग, हरनाथ की नांगल, खेड़ा, सुरजनवास, मेघनवास, बुचौली, डुलाना देवास के अलावा रसूलपुर, कोका, भालखी, सुंदरह, झगडौली, ऊंची भांडोर के कुछ किसानों को इस पावर हाउस से बिजली सप्लाई मिलती है। यह भी बता दें कि बवानियां 33 केवी सब स्टेशन करीब 23 साल पहले 132 केवी कनीना सब स्टेशन से जोड़ा गया था। कनीना से बवानियां की दूरी करीब 20 किलोमीटर है।

महेंद्रगढ़। कार्यकारी अभियंता को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

ओवरलोडिंग के कारण नहीं मिल रहीं पर्याप्त बिजली

बवानियां पावर हाउस से कृषि के लिए पांच एपी फीडरों में बिजली दी जाती है। कृषि के फीडर एक नंबर देवास, सुरजनवास, बवानिया, हरनाथ की नांगल, बचीनी से दी जाती है। इसके अलावा डीएस गांवों में बिजली सप्लाई करने के दो फीडर है पहला फीडर मेगघवास इसके अंदर सात गांव को बिजली सप्लाई दी जाती है। दूसरा फीडर गागडवास के चार गांव को बिजली सप्लाई होती है। ग्रामीणों का कहना है कि तीन दिन के समय बिजली मिल रहीं है तथा तीन दिन रात्रि के समय बिजली मिल रहीं है। रात को 12 बजे से सुबह आठ तक बिजली सप्लाई होती है। दूसरे फीडर दिन के समय सुबह आठ से शाम तीन बजे तक सरकार द्वारा बिजली चलाने का शेड्यूल है। लेकिन बवानियां पावर हाउस में ओवरलोडिंग होने के कारण बिजली नहीं मिल पा रहीं है।

ज्ञापन में यह मांग भी रखी

ग्रामीणों ने बिजली संबंधित समस्या के साथ-साथ अन्य मांग भी रखी हैं। उन्होंने मांग रखी है कि बवानियां पावर हाउस को 132केवी मोहनपुर नांगल से जोड़ने, बवानियां पावर हाउस की चारदीवारी करने, देवास में 33केवी पावर हाउस का निर्माण जारी हैं। इसलिए बवानियां पावर हाउस का आधा लोड़ इससे जोड़ने की मांग रखी हैं। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधी संजीव कुमार, समाजसेवी रामनिवास पाटोदा, रामकुंवार, रमेश, आमकुंवार, संदीप, बाबुलाल, रतिराम, कृष्ण, अशोक, सतबीर, हेमराज सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।